Maharashtra Board Solutions for Class 8- Hindi Sulabhbharati (Part 1): Chapter 4- गाँव-शहर

For any clarifications or questions you can write to **info@indcareer.com**

Postal Address

IndCareer.com, 52, Shilpa Nagar, Somalwada Nagpur - 440015
Maharashtra, India

WhatsApp: +91 9561 204 888, **Website:** https://www.indcareer.com
https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-8-hindi-sulabhbharati-part-1-chapter-4-gaav-shahar/

Maharashtra Board Solutions for Class 8- Hindi Sulabhbharati (Part 1): Chapter 4- गाँव-शहर

Class 8: Hindi Sulabhbharati Chapter 4 solutions. Complete Class 8 Hindi Sulabhbharati Chapter 4 Notes.

Maharashtra Board Solutions for Class 8- Hindi Sulabhbharati (Part 1): Chapter 4- गाँव-शहर

Maharashtra Board 8th Hindi Sulabhbharati Chapter 4, Class 8 Hindi Sulabhbharati Chapter 4 solutions

Questions and Answers

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो:

तुलना कीजिए।

Question 1.

गाँव	शहर
--------	--------
--------	--------
--------	--------

Answer:

गाँव	शहर
(i) गाँव की आबादी कम होती जा रही है।	(i) शहर की आबादी बढ़ रही है।
(ii) गाँव में पीपल के पत्ते झरने लगे हैं।	(ii) शहर लोगों से ठसाठस भरने लगा है।
(iii) गाँव खालीपन के कारण टुकुर-टुकुर ताकता है।	(iii) शहर बेहाल होकर दीदा फाड़े ताकता है।

उचित जोड़ियाँ मिलाइए

अ	उत्तर	आ
१. मेट्रो	------	गाँव
२. पीपल	------	कस्बा
		शहर

Answer:

१- शहर

२ – गांव

कृति पूर्ण कीजिए।

Question 1.

गाँव का देखना → [ ]

Answer:

गाँव को देखना → टुकुर-टुकुर

Question 2.

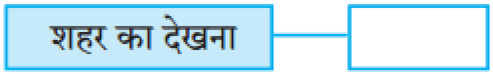

Answer:

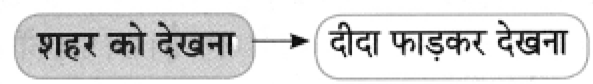

एक शब्द में उत्तर लिखिए।

Question 1.

ठसाठस भरे हुए

Answer:

शहर

Question 2.

पत्ते झरा हुआ वृक्ष

Answer:

पीपल

Question 3.

बदले-से लगते हैं

Answer:

सुर

Question 4.

जहाँ तिल रखने की जगह नहीं हैं

Answer:

शहर

पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-8-hindi-sulabhbharati-part-1-chapter-4-gaav-shahar/

तुलना कीजिए।

गाँव	शहर
--------	--------
--------	--------
--------	--------

Answer:

गाँव	शहर
(i) गाँव के लोग सवेरे आँख खुलते ही रेडियो पर स्टेशन आने की प्रतीक्षा करते हैं।	(i) शहर के लोग सवेरे आँख खुलते ही दौड़ना शुरू कर देते हैं।
(ii) गाँव में रहने वाले शहर में आकर नौकरी कर रहे हैं।	(ii) शहर में दिन-प्रतिदिन भीड़-भाड़ व आबादी बढ़ रही है।
(iii) गाँवों का शहरीकरण हो रहा है।	(iii) आधुनिक सभ्यता की चकाचौंध में शहर का रूप तेजी से बदल रहा है।

एक शब्द में उत्तर लिखिए।

Question 1.

लँगड़ाकर चलने वाली

Answer:

गैया

Question 2.

सड़कों ने खा डाले

Answer:

गैया के खुर

Question 3.

गेहूँ के खेतों में घमाने वाली

Answer:

गिल्ली (गिलहरी)

Question 4.

पद्यांश में प्रयुक्त एक शहर

Answer:

सूरत

भाषाबिंदु

पाठ्यपुस्तक के पाठों से विलोम और समानार्थी शब्द ढूँढकर उनकी सूची बनाइए और उनका अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

Answer:

नीचे समानार्थी और विलोम शब्दों की सूची दी जा रही हैं। विद्यार्थी इनका वाक्यों में प्रयोग स्वयं करेंगे।

समानार्थी शब्द	विलोम शब्द
मौसम = ऋतु	शहर × गाँव
सुर = रूप	रात × दिन
शहर = नगर	नीचे × ऊपर
गाँव = ग्राम	इधर × उधर
पत्ता = पर्ण	कमाना × गँवाना
रात = निशा	थोडा × ज्यादा
आँख = नयन	आशा × निराशा
सड़क = मार्ग	ज्ञान × अभ्यास
दीदा = आँख	प्रेम × नफरत
गिल्ली = गिलहरी	सार्थक × निरर्थक
आलम = दुनिया	धूप × छाँव

उपयोजित लेखन

वृक्ष और पंछी के बीच का संवाद लिखिए ।

Answer:

वृक्ष और पंछी के बीच का संवाद निम्नलिखित रूप में है:

वृक्षः हे पंछी! अब मैं तुम्हें छाँव देने लायक नहीं रहा। मेरे सारे पत्ते झड़ गए हैं। मेरी टहनियों को निष्ठुर मानव ने अपने स्वार्थवश काट डाला है।

पंछी: मैं जानता हूँ वृक्षराज! यह मानव बहुत ही निर्दयी है। आखिर एक दिन उसे अपने किए की सजा जरूर मिलेगी।

वृक्षः नहीं नहीं, हे पंछी! तुम ऐसा मत सोचो। मुझे तो मानव की करतूतों पर तरस आ रहा है।

पंछी: आपके साथ इतना कुछ बुरा होने के बाद भी आप उस मानव के लिए अच्छा ही सोच रहे हैं। यह तो आपकी उदारता है।

वृक्षः सोचूँ नहीं तो क्या करूँ? शहरीकरण की इस प्रक्रिया में उसने तो वन-जंगलों को काटने का काम शुरू कर दिया है।

पंछीः मानव को भविष्य में इसका बहुत ही बड़ा परिणाम भुगतना पड़ेगा।

वृक्षः हाँ, इस बात को मैं जानता हूँ। लेकिन उसे कौन समझाएगा?

पंछीः इस मानव ने तो हमें भी बेघर कर दिया है । मेरे सारे भाई-बहन न जाने कहाँ चले गए हैं?

वृक्षः सच कह रहे हो तुम। यदि इस प्रकार पर्यावरण का विनाश हो रहेगा, तो इस सुंदर धरती का संपूर्ण अस्तित्व खतरे में जाएगा।

पंछी: अब तो मानव को सीख लेनी चाहिए और उसे अत्यधिक संख में वृक्ष लगाने चाहिए।

कल्पना पल्लवन

'भारतीय संस्कृति के दर्शन देहातों में होते हैं।' इस तथ्य पर अपने विचार लिखिए।

Answer:

भारतीय संस्कृति में आस्तिक उदारता की भावना पाई जाती है। हमारी संस्कृति अत्यंत विशाल, समृद्ध व प्राचीन है। बड़ों के प्रति आदर व श्रद्धा भारतीय संस्कृति का बहुत ही बड़ा सिद्धांत है। भारत में नदियों व पीपल जैसे वृक्षों तथा सूर्य व अन्य प्राकृतिक देवी-देवताओं की पूजा करने का क्रम शताब्दियों से चला आ रहा है। भारतीय संस्कृति के दर्शन शहरों की अपेक्षा देहातों में होते हैं। स्वयं गांधीजी का यह कथन प्रसिद्ध है 'यदि किसी विदेशी व्यक्ति को भारतीय संस्कृति का सच्चे अर्थ में दर्शन करना है, तो उसे गाँव की ओर बढ़ना चाहिए।' सचमुच आज भी हमारे देहातों में पुराणों परंपरा एवं मान्यता को सर्वोच्च स्थान दिया जाता है।

देहातों में आज भी त्योहारों को पारंपरिक पद्धति से मनाया जाता है। देहातों में आज भी खशी के पर्वो पर लोककला एवं लोकगीतों का आयोजन किया जाता है। देहातों में जितना अधिक बल आध्यात्मिकता पर दिया जाता है. उतना शहरों में नहीं। देहातों में रहने वालों का जितना अधिक विश्वास ईश्वर पर होता है; उतना शहर में रहने वालों का नहीं होता। इसलिए कहा गया है कि भारतीय संस्कृति के दर्शन देहातों में होते हैं।

Additional Important Questions and Answers

निम्नलिखित पद्यांशों का भावार्थ लिखिए ।

Question 1.

बदला-बदला .... टुकुर-टुकुर।

Answer:

प्रस्तुत पंक्तियाँ कवि प्रदीप शुक्ल द्वारा लिखित 'गाँव-शहर' इस कविता से ली गई हैं। कवि ने गाँव व शहर के जीवन में जमीन आसमान का अंतर महसूस किया है। उसे स्पष्ट करते हुए कवि कहते हैं कि गाँव व शहर का मौसम बिल्कुल बदला-बदला-सा प्रतीत हो रहा है। उनमें भारी परिवर्तन होता दिखलाई दे रहा है। गाँव व शहर का नक्शा बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। शहर अपनी आँखें फाड़कर अपने बदलते नए रूप को देख रहा है और साथ में गाँव भी एकटक नजरे गड़ाकर अपने बदलते विरान रूप की ओर देख रहा है।

Question 2.

तिल रखने की. .... झरे हुए।

Answer:

प्रस्तुत पंक्तियाँ कवि प्रदीप शुक्ल द्वारा लिखित 'गाँव-शहर' कविता से ली गई हैं। कवि के मतानुसार शहर में भीड़-भाड़ है। वहाँ पर लोगों को रहने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। शहर में इतनी भीड़ है कि वहाँ तिल रखने के लिए भी जगह नहीं है। गाँव में पीपल के पेड़ के पत्ते झर गए हैं।

Question 3.

मेट्रो के खंभे. .... टुकुर-टुकुर।

Answer:

प्रस्तुत पंक्तियाँ कवि प्रदीप शुक्ल द्वारा लिखित 'गाँव-शहर' कविता से ली गई हैं। शहर में मैट्रो के खंभे के नीचे सोकर परमेश्वर नाम का एक व्यक्ति बहुत ही दयनीय स्थिति में रात गुजारता है। एक ओर शहर अपनी आँखें फाड़कर अपने नए रूप को देख रहा है और दूसरी ओर गाँव एकटक नजरें गड़ाकर अपने बदलते रूप को निहार रहा है।

सत्य या असत्य लिखिए।

Question 1.

गाँवों का शहरीकरण हो रहा है।

Answer:

सत्य

Question 2.

शहर के लोग गाँव जाकर नौकरी कर रहे हैं।

Answer:

असत्य

पद्यांश के आधार पर वाक्य पूर्ण कीजिए।

Question 1.

सुरसतिया खेती करने में असमर्थ हैं क्योंकि –

Answer:

सुरसतिया खेती करने में असमर्थ हैं क्योंकि उसके दोनों जवान बेटे नौकरी करने के लिए सूरत गए हैं।

समझकर लिखिए।

Question 1.

पद्यांश में प्रयुक्त एक प्राणी का नाम

Answer:

गिल्ली (गिलहरी)

निम्नलिखित पद्यांशों का भावार्थ लिखिए।

Question 1.

इधर शहर में ……………………. बुकुर-पुकुर।

Answer:

प्रस्तुत पंक्तियाँ कवि प्रदीप शुक्ल द्वारा लिखित 'गाँव-शहर' कविता से ली गई हैं। कवि के मतानुसार शहर की तो बात कुछ और ही है। आँख खुलते ही शहर की दुनिया भागम-भाग में व्यस्त हो जाती है। शहर में सर्वत्र भीड़-भाड़ है। किसी के पास किसी के लिए समय नहीं हैं। वहाँ गाँव में रामदीन नामक (ग्रामीण व्यक्ति) एक किसान रेडियो पर स्टेशन जोह रहा है। वह रेडियो पर स्टेशन मिलने की प्रतीक्षा कर रहा है। उसकी बातें सुनकर कवि का हृदय काँपने लगा है।

Question 2.

सुरसतिया ………… घमाने।

Answer:

प्रस्तुत पंक्तियों कवि प्रदीप शुक्ल द्वारा लिखित 'गाँव-शहर' इस कविता से ली गई हैं। गाँव से शहरों की तरफ पलायन हो रहा है। सरस्वती के दोनों लड़के गाँव से सूरत शहर में नौकरी करने के लिए गए हैं। अब सरस्वती के खेत में गिलहरी धूप खाने बैठ गई है। अब उसके खेतों में कोई नहीं जाता क्योंकि उसके दोनों बच्चे शहर गए हैं और उसके खेत यूँ ही परती (बिना जोती-बोई जमीनी) पड़े हुए हैं।

Question 3.

लँगड़ाकर ……………………. टुकुर-टुकुर।

Answer:

प्रस्तुत पंक्तियाँ कवि प्रदीप शुक्ल द्वारा लिखित 'गाँव-शहर' इस कविता से ली गई हैं। कवि के मतानुसार गाँवों का शहरीकरण हो रहा है; कायापलट हो रहा है। परिवर्तन व विकास की होड़ में अब गाँव भी पीछे नहीं रह गए हैं। गाँव से मिट्टी, धूल अब नदारद हो गई है। गाँव में पक्की सड़कों का निर्माण होने लगा है। उन सड़कों पर चलते समय गैया के खुरों को तकलीफ पहुंच रही है। वह लँगड़ाकर चलने लगी है। शहर अपनी आँखें फाड़कर अपने नए रूप को देख रहा है और साथ में गाँव भी एकटक नजरे गड़ाकर अपने बदलते रूप की ओर देख रहा है।

Maharashtra Board Solutions Class 8 Hindi Sulabhbharati

Part 1

- Chapter 1- हे मातृभूमि!
- Chapter 2- वारिस कौन?
- Chapter 3- नाखून क्यों बढ़ते हैं?
- Chapter 4- गाँव-शहर
- Chapter 5- मधुबन
- Chapter 6- जरा प्यार से बोलना सीख लीज
- Chapter 7- मेरे रजा साहब
- Chapter 8- पूर्ण विश्राम
- Chapter 9- अनमोल वाणी

Part 2

- Chapter 1- धरती का आँगन महके
- Chapter 2- दो लघुकथाएँ
- Chapter 3- लकड़हारा और वन
- Chapter 4- सौहार्द -सौमनस्य
- Chapter 5- खेती से आई तब्दीलियाँ
- Chapter 6- अंधायुग
- Chapter 7- स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है
- Chapter 8- मेरा विद्रोह
- Chapter 9- नहीं कुछ इससे बढ़कर

About About Maharashtra State Board (MSBSHSE)

The Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary Education or MSBSHSE (Marathi: महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक आणि उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ), is an **autonomous and statutory body established in 1965**. The board was amended in the year 1977 under the provisions of the Maharashtra Act No. 41 of 1965.

The Maharashtra State Board of Secondary & Higher Secondary Education (MSBSHSE), Pune is an independent body of the Maharashtra Government. There are more than 1.4 million students that appear in the examination every year. The Maha State Board conducts the board examination twice a year. This board conducts the examination for SSC and HSC.

The Maharashtra government established the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, also commonly referred to as Ebalbharati, in 1967 to take up the responsibility of providing quality textbooks to students from all classes studying under the Maharashtra State Board. MSBHSE prepares and updates the curriculum to provide holistic development for students. It is designed to tackle the difficulty in understanding the concepts with simple language with simple illustrations. Every year around 10 lakh students are enrolled in schools that are affiliated with the Maharashtra State Board.

FAQs

Where do I get the Maharashtra State Board Books PDF For free download?

You can download the Maharashtra State Board Books from the eBalbharti official website, i.e. cart.ebalbharati.in or from this article.

Add image

How to Download Maharashtra State Board Books?

Students can get the Maharashtra Books for primary, secondary, and senior secondary classes from here. You can view or download the Maharashtra State Board Books from this page or from the official website for free of cost. Students can follow the detailed steps below to visit the official website and download the e-books for all subjects or a specific subject in different mediums.

Step 1: Visit the official website *ebalbharati.in*

Step 2: On the top of the screen, select "Download PDF textbooks"

Step 3: From the "Classes" section, select your class.

Step 4: From "Medium", select the medium suitable to you.

Step 5: All Maharashtra board books for class 11th will now be displayed on the right side.

Step 6: Click on the "Download" option to download the PDF book.

Who developed the Maharashtra State board books?

As of now, the MSCERT and Balbharti are responsible for the syllabus and textbooks of Classes 1 to 8, while Classes 9 and 10 are under the Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary Education (MSBSHSE).

How many state boards are there in Maharashtra?

The Maharashtra State Board of Secondary & Higher Secondary Education, conducts the HSC and SSC Examinations in the state of Maharashtra through its nine Divisional Boards located at Pune, Mumbai, Aurangabad, Nasik, Kolhapur, Amravati, Latur, Nagpur and Ratnagiri.

About IndCareer

IndCareer.com is a leading developer of online career guidance resources for the Indian marketplace. Established in 2007, IndCareer.com is currently used by over thousands of institutions across India, including schools, employment agencies, libraries, colleges and universities.

IndCareer.com is designed to assist you in making the right career decision - a decision that meets your unique interests and personality.

For any clarifications or questions you can write to **info@indcareer.com**

Postal Address

IndCareer.com

52, Shilpa Nagar,

Somalwada

Nagpur - 440015

Maharashtra, India

WhatsApp: +91 9561 204 888

Website: https://www.indcareer.com